ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 05 नवम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 242

17 लाख मदरसा स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे:सुप्रीम कोर्ट ने UP मदरसा एक्ट बरकरार रखा, लेकिन PG-रिसर्च सिलेबस तय करने पर रोक



24 न्यूज अपडेट

उत्तर प्रदेश. सुप्रीम कोर्ट ने UP बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट की वैधता बरकरार रखी है। यानी उत्तर प्रदेश में मदरसे चलते रहेंगे और 16000 मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे।

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सुनाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह फैसला खारिज कर दिया, जिसमें मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- UP मदरसा एक्ट के सभी प्रावधान मूल अधिकार या संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर का उल्लंघन नहीं करते हैं।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें मरदसों को PG और रिसर्च का सिलेबस तय करने का अधिकार था। यानी अब मदरसा बोर्ड हायर एजुकेशन का सिलेबस और किताबें तय नहीं कर पाएंगे।

5 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट को असंवैधानिक करार देने वाले फैसले पर रोक लगा दी थी। केंद्र और UP सरकार से इस पर जवाब भी मांगा था।

इस मामले में 22 अक्टूबर 2024 को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में सुनवाई हुई थी। चीफ जस्टिस ने कहा था- धर्मनिरपेक्षता का मतलब है- जियो और जीने दो। एक्ट के खिलाफ 2012 में पहली बार दाखिल हुई थी याचिका 2004 में मुलायम सरकार ने मदरसा एक्ट 2004 लागू किया। इसके खिलाफ पहली बार 2012 में याचिका दायर हुई। ये याचिका दारुल उलूम वासिया मदरसा के मैनेजर सिराजुल हक ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दाखिल की थी। फिर 2014 में माइनॉरिटी वेलफेयर लखनऊ के सेक्रेटरी अब्दुल अजीज, 2019 में लखनऊ के मोहम्मद जावेद ने याचिका दायर की थी।

इसके बाद 2020 में रैजुल मुस्तफा ने दो याचिकाएं दाखिल की थीं। 2023 में अंशुमान सिंह राठौर ने याचिका दायर की। सभी मामलों का नेचर एक था। सभी ने एक्ट को रद्द करने की मांग की थी। कहा था- धार्मिक शिक्षा से समाज में भेदभाव पैदा हो रहा। इसके बाद कोर्ट ने सभी याचिकाओं को मर्ज कर दिया।

हाईकोर्ट ने कहा था- विभिन्न धर्मों के बच्चों के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता

22 मार्च, 2024 को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 86 पेज का फैसला सुनाया। कोर्ट ने मदरसा को असंवैधानिक घोषित कर दिया। इसके साथ ही यूपी सरकार को स्कीम बनाकर मदरसों के बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजने को कहा था।

कोर्ट ने कहा- यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन है। विभिन्न धर्मों के बच्चों के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता। धर्म के आधार पर उन्हें अलग-अलग प्रकार की शिक्षा मुहैया नहीं कराई जा सकती। अगर ऐसा किया जाता है तो यह धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- हाईकोर्ट प्रथमदृष्टया सही नहीं

हाईकोर्ट के फैसले को मदरसा अजीजिया इजाजुतूल उलूम के मैनेजर अंजुम कादरी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। 5 अप्रैल, 2024 को सुप्रीम कोर्ट में पहली बार सुनवाई हुई। कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- हाईकोर्ट प्रथमदृष्टया सही नहीं है। ये कहना गलत होगा कि यह मदरसा एक्ट धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन करता है। यहां तक कि यूपी सरकार ने भी हाईकोर्ट में मदरसा एक्ट का बचाव किया था। इसके बाद 22 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

देश में धार्मिक शिक्षा कभी भी अभिशाप नहीं रही...

कोर्ट का कहना था कि मदरसों के छात्रों को दूसरे स्कूल में ट्रांसफर करने का निर्देश देना ठीक नहीं है। देश में धार्मिक शिक्षा कभी भी अभिशाप नहीं रही है। बौद्ध भिक्षुओं को कैसे प्रशिक्षित किया जाता है? अगर सरकार कहती है कि उन्हें कुछ धर्मनिरपेक्ष शिक्षा प्रदान की जाए तो यह देश की भावना है।

SC बोला-सरकारें सभी प्राइवेट प्रॉपर्टी पर कब्जा नहीं कर सकतीं:हर निजी संपत्ति भौतिक संसाधन नहीं; 45 साल पहले दिया अपना ही फैसला पलटा

24 न्यूज अपडेट



नई दिल्ली. क्या सरकार आम लोगों की भलाई के लिए निजी संपत्तियों का संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है? इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को 1978 (45 साल पहले) में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया। CJI की अध्यक्षता वाली 9 जजों की बेंच ने 7:2 के बहुमत वाले फैसले में कहा, 'हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संपत्तियों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती है।'

बेंच ने 1978 में दिए जस्टिस कृष्ण अय्यर के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था, 'सभी निजी संपत्तियों पर राज्य सरकारें कब्जा कर सकती हैं।' CJI बोले- पुराना फैसला विशेष आर्थिक, समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। हालांकि राज्य सरकारें उन संसाधनों पर दावा कर सकती हैं जो भौतिक हैं और सार्वजनिक भलाई के लिए समुदाय द्वारा रखे जाते हैं।

CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह फैसले पर एकमत थे। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फैसले से आंशिक रूप से असहमति जताई, जबकि जस्टिस सुधांशु धूलिया ने सभी पहलुओं पर असहमति जताई।

सुप्रीम कोर्ट ने 1 मई को इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता समेत कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कोर्ट में इस मसले पर 16 याचिकाएं दाखिल हुई थीं

बेंच 16 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 1992 में मुंबई स्थित प्रॉपर्टी ओनर्स एसोसिएशन (POA) द्वारा दायर मुख्य याचिका भी शामिल है। POA ने महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट एक्ट (MHADA) अधिनियम के अध्याय VIII-ए का विरोध किया है।

1986 में जोड़ा गया यह अध्याय राज्य सरकार को जीर्ण-शीर्ण इमारतों और उनकी जमीन को अधिगृहीत करने का अधिकार देता है, बशर्ते उसके 70% मालिक ऐसा अनुरोध करें। इस संशोधन को प्रॉपर्टी ओनर्स एसोसिएशन की ओर से चुनौती दी गई है।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि MHADA प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 31 सी द्वारा संरक्षित है, जिसे कुछ नीति निदेशक तत्वों (DPSP) को प्रभावी करने वाले कानूनों की रक्षा के इरादे से 1971 के 25 वें संशोधन अधिनियम द्वारा डाला गया था।

महाराष्ट्र सरकार ने 1986 में संपत्ति अधिग्रहण कानून में बदलाव किया

राज्य सरकार इमारतों की मरम्मत के लिए महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MHADA) कानून 1976 के तहत इन मकानों में रहने वाले लोगों पर उपकर लगाता है। इसका भुगतान मुंबई भवन मरम्मत एवं पुनर्निर्माण बोर्ड (MBRRB) को किया जाता है, जो इन इमारतों की मरम्मत का काम करता है।

अनुच्छेद 39 (B) के तहत दायित्व को लागू करते हुए MHADA अधिनियम को साल 1986 में संशोधित किया गया था। इसमें धारा 1A को जोड़ा गया था, जिसके तहत भूमि और भवनों को प्राप्त करने की योजनाओं को क्रियान्वित करना शामिल था, ताकि उन्हें जरूरतमंद लोगों को ट्रांसफर किया जा सके।

संशोधित MHADA कानून (Maharashtra Housing and Area Development Authority Act) में अध्याय VIII-A में प्रावधान है कि राज्य सरकार अधिगृहीत इमारतों और जिस भूमि पर वे बनी हैं, उनका अधिग्रहण कर सकती हैं, यदि वहां रहने वाले 70 प्रतिशत लोग ऐसा अनुरोध करते हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक वन नेशन-वन इलेक्शन, वक्फ विधेयक बिल पेश हो सकते हैं



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. 18वीं लोकसभा का पहला शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा। यह जानकारी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को दी। सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इसमें वन नेशन-वन इलेक्शन और वक्फ विधेयक समेत कई बिल पेश होने के आसार हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है। 18वीं लोकसभा का पहला मानसून सत्र 22 जुलाई से 9 अगस्त तक चला था। पूरे सत्र में कुल 15 बैठकें हुईं, जो लगभग 115 घंटे तक चलीं थी। सत्र के दौरान सदन की प्रोडक्टिविटी 136% रही।

इसी सत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को सदन में केंद्रीय बजट 2024-2025 पेश किया। इस पर कुल 27 घंटे और 19 मिनट तक चर्चा चली, जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया। सत्र में कुल 65 प्राइवेट मेम्बर बिल भी पेश किए गए थे। इसके अलावा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि, इस सत्र के दौरान देश के कई हिस्सों में आए लैंडस्लाइड, बाढ़ और जान-माल के नुकसान पर भी चर्चा हुई। साथ ही ओलिंपिक में भारत की तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

पाकिस्तान आर्मी चीफ का कार्यकाल बढ़ा:3 नहीं, 5 साल का होगा; दावा- फौज को लुभाने के लिए शहबाज सरकार का फैसला



24 न्यूज अपडेट

पाकिस्तान में आर्मी चीफ के कार्यकाल को अब 3 साल से बढ़ाकर 5 साल कर दिया गया है। पाकिस्तान की सरकार ने सोमवार को कानून में यह संशोधन किया। इसी के साथ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर भी अब 2027 तक पद पर कायम रहेंगे। पहले उनका कार्यकाल 2025 में खत्म होने वाला था।

आर्मी चीफ के अलावा पाकिस्तानी सेना के दूसरे सीनियर कमांडरों का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने पाकिस्तान आर्मी एक्ट 1952 में संशोधन का प्रस्ताव रखा था। इसे सदन के अध्यक्ष अयाज सादिक ने पारित कर दिया है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, शहबाज सरकार का यह कदम सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को लुभाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। जियो न्यूज के मुताबिक, सीनेट में इस संशोधन को पास करने में करीब 16 मिनट का समय लगा। इमरान की पार्टी के सांसद बोले- कानून देश के हित में नहीं इस अमेंडमेंट को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल, इमरान सत्ता से बेदखली के लिए फौज को जिम्मेदार ठहराते हैं। वे उनके खिलाफ कार्रवाई की भी मांग कर चुके हैं। नेशनल असेंबली में सेशन के दौरान इमरान की पार्टी PTI के सांसद उमर अयूब ने कहा कि बिना डिबेट के संसद में इस तरह कानून पारित कराना असल में उसे कुचलने जैसा है। यह देश और हमारी सेना, दोनों के लिए अच्छा नहीं है। खान की पार्टी के सांसदों ने संसद सत्र के दौरान बिल की आलोचना की।

संपादकीय : टकराव की हद

अब खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा के एक हिंदू मंदिर में उपद्रव कर अपनी शक्ति प्रदर्शित करने की कोशिश की है। रविवार को ब्रैंप्टन शहर के एक हिंदू मंदिर पर हमला कर वहां उपस्थित भक्तों के साथ मारपीट की गई। स्वाभाविक ही इस घटना के बाद वहां रह रहे हिंदू समुदाय के लोगों में रोष है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त पुलिस वहां मौजूद थी, मगर उसने उपद्रवियों को रोकने की कोशिश नहीं की । प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने घटना की निंदा की और इस बात पर बल दिया है कि कनाडा में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी आस्था के 'अनुसार पूजा-पाठ करने का हक है। मगर इस घटना के बाद वहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों के बीच ही जिस तरह के परस्पर संघर्ष का वातावरण बन गया है, उसके लिए जिम्मेदार किसे माना जाना चाहिए। आखिर खालिस्तान समर्थकों का हौसला इस कदर कैसे बढ़ गया कि उन्होंने दूसरों की आस्था पर भी चोट पहुंचानी शुरू कर दी है। छिपी बात नहीं है कि कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थकों को संरक्षण देती रही है। जबसे वहां चुनाव का माहौल बना है और ट्रूढो को लगने लगा है कि उन्हें शिकस्त मिल सकती है, तो उनकी घबराहट बढ़ गई है। सिख समुदाय के लोगों का समर्थन हासिल करने के मकसद से वे खुल कर उनका साथ देते देखे जा रहे हैं। हालांकि खालिस्तान समर्थकों का कनाडा में उपद्रव और प्रदर्शन कोई नई घटना नहीं है। वे लंबे समय से भारत- विरोधी गतिविधियां चलाते रहे हैं। कभी स्वर्ण मंदिर में हुए हमले की बरसी पर आपत्तिजनक प्रदर्शनी का आयोजन करके, कभी भारत - विरोधी प्रदर्शन करके, कभी भारतीय उच्चायोग के बाहर उपद्रव करके। उन सभी घटनाओं पर भारत सरकार ने आपत्ति जताई और गुहार लगाई कि कनाडा सरकार ऐसे उपद्रवी और अलगाववादी तत्त्वों पर नकेल कसे । मगर कनाडा सरकार ने उन अपीलों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। खलिस्तान समर्थकों का हौसला तब और बढ़ गया, जब खुद ट्रूडी ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजेंसियों का हाथ बताया। इसे लेकर तनातनी लगातार बढ़ती गई है। दही आरोप पर आरोप लगाते जा रहे हैं। उन्होंने कनाडा में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों को भी शक के घेरे में खड़ा कर दिया। दोनों देशों ने अपने उच्चायुक्त सहित सभी अधिकारियों को वापस बुला लिया। उसके बाद उन्होंने भारत के गृहमंत्री पर भी आरोप मढ़ दिया। समझना मुश्किल नहीं है कि जब देश का शीर्ष नेतृत्व भारत से अपने संबंधों की परवाह किए बिना खुल्लमखुल्ला ऐसे आरोप लगा रहा है, तो खलिस्तान समर्थकों का मनोबल बढ़ेगा ही। ट्रूडो बेशक कह रहे हों कि कनाडा में रहने वाले हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार जीवन जीने का हक है, मगर उनके एक समुदाय के प्रति अतिशय लगाव प्रदर्शित करने से सामाजिक विद्वेष का वातावरण तो पैदा हो ही गया है। शायद ट्रूडो को अंदाजा भी नहीं कि इस वातावरण के खतरनाक नतीजे भी हो सकते हैं। यह किसी भी परिपक्व नेतृत्व की निशानी नहीं मानी जा सकती कि जो मसले आपसी बातचीत से हल किए जाने चाहिए, उन्हें वह सार्वजनिक मंचों से उछाले । बार-बार मांगे जाने के बाद भी निज्जर मामले से जुड़े तथ्य कनाडा सरकार अभी तक भारत को नहीं उपलब्ध करा सकी है। सामाजिक विद्वेष की कीमत पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें सभ्यता पर गहरे घाव छोड़ती हैं।

हादसा या लापरवाही

उतराखंड के अल्मोड़ा में सोमवार को हुए त्रासद बस हादसे से एक बार फिर यही साबित हुआ है कि आए दिन बड़ी दुर्घटनाओं के बावजूद हर स्तर पर लापरवाही बनी हुई है और कोई सबक लेना जरूरी नहीं समझा जाता। गौरतलब है कि पहाड़ की घुमावदार सड़कों से गुजरने वाली बस में क्षमता से ज्यादा यात्रियों को लाद लिया गया था। इसका नतीजा यह हुआ एक मोड़ पर बस असंतुलित होकर फिसली और डेढ़ सौ मीटर गहरी खाई में गिर गई। उसमें सवार कम से कम छत्तीस लोगों की जान चली गई और कई बुरी तरह घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, बस पुरानी और खस्ताहाल थी। सवाल है कि क्या वह बस किसी छिपे तरीके या रास्ते से गुजर रही थी कि उसकी खराब हालत पर पुलिस या किसी जिम्मेदार व्यक्ति की नजर नहीं पड़ी और उसे रोकना जरूरी नहीं समझा गया ? घटनास्थल से प्राप्त ब्योरों से ऐसा लगता है। कि इस त्रासद हादसे के लिए न सिर्फ बस चालक या मालिक जिम्मेदार हैं, बल्कि पुलिस या प्रशासन के अधिकारियों ने भी अपने दायित्व से मुंह मोड़ लिया था । विचित्र है कि पहाड़ी इलाकों में काफी ऊंचाई पर बनी संकरी सड़कों के मद्देनजर खतरनाक या उच्च जोखिम वाली जगहों की पहचान करके वहां सुरक्षा के लिहाज से अतिरिक्त इंतजाम करने की भी अनदेखी की जाती है। अल्मोड़ा की सड़कें कुछ अधिक जोखिमभरी मानी जाती हैं, इसलिए उन पर अतिरिक्त सावधानी की दरकार होती है। जिस जगह बस खाई में गिर गई, अगर वहां 'पैराफिट' या 'क्रैश चैरियर' होता तो ऐसी त्रासदी से बच पाने की उम्मीद की जा सकती थी। मगर ज्यादा यात्रियों की वजह से बस असंतुलित हुई और चालक उसे संभाल नहीं पाया, बस सीधे खाई में जा गिरी। जबकि पहाड़ी इलाकों में सड़कों के किनारे जरूरी सुरक्षा घेरे को मजबूत और दुरुस्त रखने को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। मगर विडंबना है कि हर समय चौड़ी सड़कों और विकास का राग अलापती सरकारें हादसों की वास्तविक स्थितियों और वजहों से तब तक आंखें मूंद रखती हैं, जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए और उसमें नाहक ही लोगों की जान न चली जाए।

मंच पर पंच : झाड़ोल सभा में विधायक के सामने हो गई धक्का-मुक्की



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट.सलूंबर। सलूंबर उप चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही हैं चुनावी माहौल में गर्मी भी बढ़ती जा रही है। झाड़ोल में पार्टी विद डिफरेंस का नारा लेकर चलने वाली भाजपा के पदाधिकारी मंच पर आवाजाही को लेकर आपस में उलझ गए। बात हाथापाई, धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। मंच पर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा सहित अन्य पदाधिकारी विराजे हुए थे। बाद में बीच-बचाव कर मामला शांत किया गया। रूठे पदाधिकारी को घर जाकर मनाया गया व वापस बुला कर झगड़े को दी एंड कर दिया गया। भाजपा को पता है कि सलूंबर में हर वोट बहुत ज्यादा कीमती है। यहां पर सीट नहीं, पार्टी की विचारधारा दांव पर लगी हुई है जिसका बीटीपी की विचारधारा से सीधा मुकाबला होता हुआ दिखाई दे रहा है। कांग्रेस में अंतर्कलह क्लाइमैक्स पर पहुंच गई है तो भाजपा ने भितरघात की संभावनाओं को नामांकन से पहले ही चार्टर्ड प्लेन पॉलिटिक्स के माध्यम से धरातल पर ही खत्म करने कर दिया है। सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भाजपा की झाड़ोल में शाम को चुनावी सभा थी। सभा के दौरान पदाधिकारी मंच पर विराजमान थे जिसमें उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, मंडल अध्यक्ष सहित जिला स्तर के पदाधिकारी थे। अचानक सभा के दौरान भाजपा का ललित पटेल मंच पर आ गया। ओबीसी मंडल अध्यक्ष रमेश डंगीरा ने उसको तुरंत मंच से उतरने की बात कह दी। यह बात ललित को नागवार गुजरी और दोनों में हाथापाई की नौबत हा गई। धक्का-मुक्की होने लगी व इस दौरान कार्यकर्ता मंच से नीचे गिर गया व कार्यक्रम छोड़ कर घर चला गया। पीछे से कुछ कार्यकर्ताओं को उसके घर भेजा गया व मना कर वापस कार्यक्रम में लेकर आए और कसमे-वादे, मान-मनौव्वल के दौर चले व बड़े पदाधिरियों के सामने मामला सेटल हुआ। आपको बता दें कि सलूंबर में अभी भाजपा के वोटों के गणित के माइक्रो मैनेजमेंट में हर एक पदाधिकारी व कार्यकर्ता को साधारण से लेकर आर्थिक इमदाद तक की तवज्जो दी जा रही है। रूठों को मनाने के लिए निम्बाहेड़ा विधायक से लेकर देहात जिलाध्यक्ष तक की फौज युद्धभूमि में तैनात है। मंडल अध्यक्षों के अहम को अलग-तरीके से तुष्ट करते हुए एक प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा है। खास तौर पर सराड़ा में नाराजगी ज्यादा है। ऐसे में वहां का माइक्रो मैनेजमेंट हो रहा है। आरएसएस के पदाधिकारी भी ग्राउंड कवर करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। परसों चावंड में नाराज कार्यकर्ताओं को मना कर उनका भरत मिलाप किया गया व उनमें भविष्य के सुनहरे वादों का जोश भरते हुए फील्ड में फिर से तैनात किया गया। यह दौर लगातार मंडलवार चल रहा है। यदि सूक्ष्म रूप से देखें तो पार्टी अपने अमृत तुल्य टिकट के फैसले को हर हाल में सही साबित करने के फार्मूले पर काम कर रही है व इसमें सबसे बड़ी भूमिका में कार्यकर्ताओं को देखा जा रहा है।

पुष्कर मेला-2024 में पशुओं की आवक शुरू:हर साल घोड़ों-ऊंट की बिक्री से होता है करोड़ों का बिजनेस, 9 से 15 नवंबर तक होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम



24 न्यूज अपडेट

पुष्कर. पुष्कर मेला 2024 का अनौपचारिक शुभारंभ होते ही तीर्थ नगरी में चहल-पहल बढ़ गई है। दीपावली के समापन के बाद से ही मेले में देश-विदेश के मेहमानों और पशुओं की आवक शुरू हो गई है। मेला मैदान पर जिला प्रशासन ने सभी व्यवस्थाओं को सुसंगठित कर दिया है। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील घीया के अनुसार पशुओं के लिए चारा, पानी, बिजली, और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पशुपालकों के लिए सुविधाएं और पशु चिकित्सा केंद्र

पुष्कर पशु मेले में इस वर्ष पशुपालन विभाग द्वारा 12 पशु चौकियों की स्थापना की गई है, जहां पशुओं की आवक को दर्ज किया जा रहा है। साथ ही, पशुओं की चिकित्सा सुविधाओं के लिए दो अस्थाई पशु चिकित्सालय भी चालू किए गए हैं। मेला मैदान में पशुओं के लिए पानी की खेळ, चारे की व्यवस्था, और पशुपालकों के लिए सस्ती दरों पर चारा उपलब्ध करवाने का प्रबंध किया गया है। इसके अतिरिक्त, अन्नपूर्णा रसोई, पेयजल और रोशनी की भी सुविधा दी गई है।

पिछले वर्षों के पशु आवक के आंकड़े

पुष्कर पशु मेले में 2023 में 8,087 पशुओं की आवक दर्ज की गई थी, जिसमें ऊंट, घोड़े, और भैंसों की बिक्री से करोड़ों का व्यापार हुआ था। पिछले 23 वर्षों के आंकड़ों में यह सबसे अधिक रहा। इस बार भी पशुओं की भारी आवक की उम्मीद है।

मेले में सुरक्षा इंतजाम

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीपक कुमार ने पुष्कर मेले और सरोवर के घाटों पर कड़ी सुरक्षा के प्रबंध किए हैं। 2,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती और जगह-जगह सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। जहरखुरानी और जेबतराशी की घटनाओं को रोकने के लिए खुफिया पुलिस भी तैनात रहेगी।

रियाज सहित हार्डकोर अपराधियों को क्यों ले गए अस्पताल? जेल में ही क्यों नहीं बुलाए डॉक्टर?



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. अजमेर। उदयपुर में कन्हैयालाल साहू हत्याकांड के आरोपी रियाज अत्तारी सहित 4 हार्डकोर आरोपियों को आज हाई सिक्योरिटी जेल से जेएलएन हॉस्पिटल लाया गया व डाक्टरों को दिखाया गया। रियाज को यूरोलॉजी विभाग में व बाकी तीन का ओपीडी में इलाज करवाया गया। हथियारबंद जवान, सिविल लाइन सहित और कोतवाली थाना पुलिस की मौजूदगी इस दौरान रही। रियाज को पहले भी अस्पताल में दिखाया गया था। गौस मोहम्मद भी उसी जेल में बंद है। रियाज ने आज बाथरूम में तकलीफ होने की शिकायत की थी जिस पर उसे हथियारबंद जवानों और सिविल लाइन कोतवाली थाना पुलिस की मौजूदगी में यूरोलॉजी विभाग लाया गया। वापस कड़ी सुरक्षा में हाई सिक्योरिटी जेल शिफ्ट किया गया। उसके साथ गए तीन अपराधी भी हार्डकोर हैं। पुलिस की इस कार्यवाही से सवाल उठ खड़े हुए हैं कि आखिर डाक्टरों को ही हाई सिक्योरिटी जेल में क्यों नहीं बुला लिया गया। इनकी सुरक्षा के लिए इतना बड़ा लवाजमा लेकर जनता के पैसे खर्च करके हॉस्पिटल जोन की क्या जरूरत थी। विशेषज्ञों को वहीं पर बुलाया जा सकता था व जांचें भी करवाई जा सकती थी। रियाज के साथ हार्डकोर अपराधी सिकंदर ऑफ जीवण, दिलीप और अन्य को उपचार के बाद जेल में शिफ्ट कर दिया गया। अब सवाल यह उठता है कि पुलिस जब पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से करवा सकती है तो फिर डाक्टर जेल में क्यों नहीं बुलवा सकती। यदि अपराधियों को लाते व ले जाते समय कोई अनहोनी होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। ऐसे अपराधियों की जेल से बाहर आवाजाही क्या उचित है, इस पर पुलिस को पुनर्विचार करना चाहिए।

अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी विट्ठल विलास बाग के पास कार्रवाई, बजरी माफियाओं में मचा हड़कंप



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद में कांकरोली पुलिस ने अवैध बजरी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

कांकरोली पुलिस थाना इंचार्ज हनवंत सिंह सोढा ने बताया कि पुलिस की विशेष टीम ने रात्रि गश्त के दौरान करीब 3.30 बजे लंगोट चौराहे विट्ठल विलास बाग जेके रोड पर तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को रूकवाया। चेक किया गया तो ट्रॉली में अवैध बजरी पाई गई। पुलिस की टीम ने जब ट्रैक्टर ड्राइवर सुरेश (22) पुत्र लक्ष्मण लाल भील निवासी माही सालरमाला को बजरी को लेकर रायल्टी व वैध कागजात के बारे में पूछा गया। जिस पर ड्राइवर के पास कोई वैध कागजात नहीं थे। इसके बाद पुलिस ने अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर कांकरोली पुलिस थाने पहुंचाया।

जोधपुर ब्यूटीशियन हत्याकांड में प्रॉपर्टी डीलर के यहां छापेमारी:6 दिन में 24 लोगों से पूछताछ की, 30 मोबाइल जब्त; आरोपी अब तक फरार



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर. जोधपुर में ब्यूटीशियन हत्याकांड का मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन अब भी फरार है। केस में पुलिस बीते 6 दिन में 24 से ज्यादा लोगों से पूछताछ व बड़ी संख्या मे मोबाइल जब्त कर चुकी है। मंगलवार सुबह पुलिस की टीम ने प्रॉपर्टी डीलर तैयब अंसारी के घर छापेमारी की। करीब 20 जवानों ने कमला नेहरू नगर में अंसारी के बंगले की तलाश ली और उससे पूछताछ भी की।

कौन है तैयब अंसारी

अनीता के पति मनमोहन और उसकी सहेली सुमन का ऑडियो सामने आने के बाद तैयब अंसारी का नाम सामने आया था। आरोप है कि अनीता को गायब करने और उसका मर्डर करने में तैयब अंसारी का हाथ हो सकता है। अंसारी पाली, जोधपुर इलाके में प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। जानकारी के अनुसार, अंसारी की राजनीतिक दलों से भी अच्छी सांठगांठ है।

मारवाड़ के इलाकों में विवादित प्रॉपर्टी को लेकर कई बार तैयब अंसारी का नाम सामने आ चुका है।वहीं, परिजनों ने अनीता का शव अब तक नहीं लिया है। परिवार पांच दिन से सरदारपुरा स्थित तेजा मंदिर पर धरने पर बैठा है। वहीं, पुलिस के अनुसार अनीता मर्डर केस में अब तक 24 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। हत्याकांड को लेकर गुलामुद्दीन की पत्नी आबिदा परवीन पुलिस रिमांड पर है। पुलिस ने करीब 30 मोबाइल भी जब्त किए हैं।

लूट के लिए हत्या को नकार रहे परिजन

रविवार को परिजनों ने कहा था कि इस हत्याकांड के पीछे लूट का मकसद नहीं है। इसमें कई बड़े खुलासे होने हैं। अनीता के पास कुछ ऐसा था जिसके चलते उसकी हत्या की गई। धरने पर मौजूद लोगों का कहना था कि जोधपुर पुलिस तो आसाराम जैसे बड़े आरोपी को गिरफ्तार कर लाई थी।

सामान्य सा रफू का काम करने वाला (गुलामुद्दीन) उनकी पहुंच से बाहर कैसे हो सकता है। ये कोई बड़ा षड्यंत्र है। धरने पर मौजूद परिजनों ने 5 मांगें रखी हैं- इसमें 1 करोड़ का मुआवजा, सरकारी नौकरी, मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी, हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से मामले की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों को पुलिस कमिश्नरेट से हटाने की मांग की है।

10 फीट गहरे गड्ढे में गाड़ दिया था

अनीता घर जोधपुर के सरदारपुरा इलाके के ब्यूटी पार्लर चलाती थी। 26 अक्टूबर की दोपहर वह अपने ब्यूटी पार्लर को बंद कर एक रिक्शे में बैठ कर गंगाणा इलाके के लिए निकली थी। इसके बाद से उनका फोन बंद था। अगले ही दिन पति मनमोहन ने उनकी मिसिंग रिपोर्ट सरदारपुरा थाने में दर्ज करवाई थी। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर आरोपी गुलामुद्दीन की पत्नी आबिदा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्या के मामले का खुलासा हुआ था। 30 अक्टूबर की रात पुलिस को गुलामुद्दीन के घर के पास 10 फीट के गड्ढे में 6 टुकड़ों में एक बोरे में भरी अनीता की लाश मिली थी। इसके बाद से ही सरदारपुरा इलाके के व्यापारियों के रोष व्याप्त है। वहीं परिजन भी यहां धरने पर बैठे हैं।

बड़गांव प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता 7 नवंबर से

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पंचायत स्तरीय ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता बड़गांव प्रीमियर लीग का 7 नवंबर को साइफन-बड़गांव रोड पर स्थित वीबीआरआई कॉलेज मैदान पर शुभारंभ होगा। इसकी तैयारियां अंतिम चरण में है। आयोजन समिति के लवेश व्यास ने बताया कि यह प्रतियोगिता 7 से 10 नवंबर तक चलेगी। अब तक बड़गांव, कड़िया, भुवाणा, बड़ी, वरड़ा, टीडी, पानेरियों की मादड़ी, गोगुंदा, झाड़ोल, उथरदा और बिलोता सहित 15 टीमों ने प्रतियोगिता के लिए पंजीयन करवा लिया है। प्रत्येक टीम के लिए एंट्री फीस 2500 रूपए तय की गई है।

टेनिस बॉल से होंगे सभी मैच- प्रतियोगिता के सभी मैच टेनिस बॉल से और आठ-आठ ओवर के होंगे। पंचायत क्षेत्र की किसी भी जिले की टीम इस प्रतियोगिता में भाग ले सकेगी। विजेता टीम को 21 हजार का और उप विजेता को 11 हजार का पुरूस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता में बेस्ट बेस्ट मैन, बेस्ट बॉलर, मैन ऑफ द सीरीज,बेस्ट फील्डर के साथ ही सिक्सर किंग ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी दिया जाएगा।

विधायक धारीवाल और 3 पूर्व-अफसरों को सुप्रीम कोर्ट से झटका:एकल पट्टा मामले में हाईकोर्ट के आदेश रद्द, कहा- 6 महीने में फैसला सुनाएं



24 न्यूज अपडेट

जयपुर. सुप्रीम कोर्ट से कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल और जेडीए के तीन पूर्व अधिकारियों को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भूयान की बेंच ने हाईकोर्ट के उन आदेशों को रद्द कर दिया है, जिसमें एकल पट्टा प्रकरण में आपराधिक कार्रवाई को समाप्त कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को मामले में फिर से सुनवाई करने निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाईकोर्ट 6 महीने में फिर से मामले की सुनवाई करके अपना फैसला दे। दरअसल, हाईकोर्ट के दो आदेशों के खिलाफ आरटीआई एक्टिविस्ट अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटिशन) दायर की थी। इसे निस्तारित करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला दिया।

हाईकोर्ट ने केस वापस लेने को सही माना था

सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करने वाले अतिरिक्त महाधिवक्ता (AAG) शिव मंगल शर्मा ने बताया कि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के 17 जनवरी 2023 और 15 नवंबर 2022 को दिए दोनों आदेश रद्द कर दिए हैं। 17 जनवरी के आदेश से हाईकोर्ट ने तत्कालीन एसीएस जीएस संधू, डिप्टी सचिव निष्काम दिवाकर और जोन उपायुक्त ओंकारमल सैनी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को बंद कर दिया था।

दरअसल, एसीबी की दो क्लोजर रिपोर्ट को एसीबी कोर्ट ने खारिज करते हुए 18 अप्रैल 2022 को कुछ बिंदुओं पर डीआईजी स्तर के अधिकारी से जांच कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद एसीबी की ओर से 19 जुलाई 2022 को तीसरी क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई थी। इसमें भी एसीबी ने एकल पट्टा प्रकरण में किसी भी तरह अनियमितताएं नहीं पाई थीं।

इस पर एसीबी ने कोर्ट से इन आरोपियों के खिलाफ दायर चार्जशीट को वापस लेने की एप्लिकेशन लगाई थी। इसे एसीबी कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इनकी अपील पर 17 जनवरी 2023 को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के संधू, दिवाकर और सैनी के खिलाफ केस वापस लेने को सही माना था।

सलमान को लॉरेंस के नाम से धमकी देने वाला गिरफ्तार:पुलिस ने कर्नाटक से पकड़ा; कहा था- जिंदा रहना है तो बिश्नोई मंदिर जाकर माफी मांगो



24 न्यूज अपडेट

मुंबई. सलमान खान को मंगलवार सुबह फिर लॉरेंस के नाम से धमकी मिली। मुंबई कंट्रोल रूम में आए मैसेज में कहा गया कि अगर सलमान खान काले हिरण का शिकार करने पर बिश्नोई समाज की मंदिर जाकर माफी नहीं मांगते या 5 करोड़ रुपए नहीं चुकाते तो उनकी जान जा सकती है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने कर्नाटक से गिरफ्तार कर लिया है। उसका नाम विक्रम है। मामले की जांच के लिए पुलिस आरोपी को मुंबई लाएगी।

दरअसल, मुंबई पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल रूम के पास सोमवार रात (4 अक्टूबर) को एक मैसेज आया था। आधी रात को एक अधिकारी की नजर उस मैसेज पर गई। मैसेज में लिखा गया था, 'अगर सलमान खान जिंदा रहना चाहता है तो उसे हमारे मंदिर जाकर माफी मांगनी पड़ेगी या 5 करोड़ रुपए देने होंगे। हमारी गैंग आज भी एक्टिव है।'

सलमान को अक्टूबर में दो बार धमकी मिली थी

25 अक्टूबरः NCP नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान के ऑफिस में एक मैसेज किया गया था, जिसमें 2 करोड़ रुपए की मांग भी की गई थी। कहा गया था कि अगर सलमान और जीशान पैसे नहीं देते तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। इस मामले में मुंबई पुलिस ने नोएडा से 20 साल के मोहम्मद तैयब को गिरफ्तार किया था। 30 अक्टूबरः सलमान को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में 56 साल के आजम मोहम्मद मुस्तफा को गिरफ्तार किया गया था। मुंबई के ट्रैफिक कंट्रोल रूम में मैसेज किया गया था। मैसेज में कहा गया था कि अगर सलमान 2 करोड़ नहीं देते तो उन्हें मार दिया जाएगा।

दिलावर बोले- डोटासरा राजस्थान के बच्चों के सबसे बड़े दुश्मन:पेपर आउट करवाकर माल बनाया; कब शिकंजे में आ जाएं, पता नहीं



24 न्यूज अपडेट

दौसा. शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि यदि राजस्थान के विद्यार्थियों का सबसे बड़ा कोई दुश्मन है तो वह गोविंद सिंह डोटासरा हैं। उन्होंने बिना भवन और शिक्षकों के स्कूल खोल दिए। दिलावर ने कहा- डोटासरा जी आंखों पर पट्टी बांधकर घूम रहे हैं। उनको केवल वही दिखता है कि कहां खाना है, कहां लूटना है। कैसे पेपर आउट करना है। एक पेपर के कितने नोट लेना है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा जी ने जितने पेपर आउट करवाकर जितना माल बनाना था, बनाया। जांच चल रही है, कब शिकंजे में आ जाएं, कब अंदर चले जाएं, कोई पता नहीं है। लेकिन, भाजपा जो कहती है, वह करती है।

दिलावर मंगलवार को दौसा के दौरे पर थे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा- हमारी पीढ़ियां राम का नाम लेते हुए खप गईं, लेकिन कांग्रेस ने तो भगवान राम के अस्तित्व को ही झुठला दिया। कांग्रेस राम विरोधी पार्टी है। भाजपा की केंद्र सरकार ने राम मंदिर बनाकर हिंदू गौरव को फिर से स्थापित किया है।

'कांग्रेस हत्यारों के पक्ष में खड़ी रहती है'

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के भाजपा सरकार में गोली चलने और लोगों को भिड़ाने के आरोपों का जवाब देते हुए दिलावर ने कहा- यह सच है कि गोलियां तो चली हैं। लेकिन, कांग्रेस ने जितने लोगों की हत्या करवाई, उतना कभी नहीं हुआ। उन्होंने दिल्ली में सिखों को मारा और उन्हीं लोगों को मंत्री बनाया

सिख विरोधी दंगों के सवाल पर कांग्रेस कहती है कि बड़ा बरगद गिरता है तो कंपन तो होगा। वो हजारों लोगों की हत्या को छोटा सा कंपन मानते हैं। इसलिए कांग्रेस पार्टी हमेशा हत्यारों पक्ष में खड़ी रहती है।

स्कूल समय में नमाज और पूजा-पाठ नहीं होगा

दिलावर ने बताया कि स्कूल समय में नमाज और पूजा-पाठ पर रोक लगा दी गई है। अब शिक्षकों को ऐसा करने से साफ मना कर दिया गया है। सभी शिक्षकों से कहा गया है कि वे स्कूल समय में ऐसा नहीं करें। स्कूल समय में वे केवल बच्चों को पढ़ाने का ही कार्य करें।

पायलट ने कहा था भाजपा के राज में प्रदेश में गोलियां चली थीं

सोमवार को दौसा में जनसभा में पायलट ने कहा था कि यह चुनाव किसी व्यक्ति और समाज का नहीं है, बल्कि विचारधारा और पार्टियों का है। जनता ने दोनों ही दलों को बराबर मौका दिया है, काम के इतिहास के दम पर लोग तुलना करेंगे।

आज भाजपा के जो नेता भाषण दे रहे हैं, उन्हें जवाब देना पड़ेगा कि उनके शासनकाल में प्रदेश में गोलियां चली थीं। समाजों में टकराव कराया, लोगों को भिड़ाया था। वो जो माहौल पैदा हुआ था, उसके लिए भाजपा जिम्मेदार है कि नहीं।

इस दौरान मैच फिक्सिंग की चर्चाओं के सवाल पर भी पायलट ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- जो लोग इस प्रकार की चर्चा करते हैं, वो भाजपा के लोग अति आत्मविश्वास में जी रहे हैं, लेकिन मतगणना होगी, तब डीडी बैरवा भारी बहुमत से विधानसभा पहुंचेंगे।

हे भगवान! गलता पीठ के पुजारी सैलरी के लिए बैठे धरने पर, चार महीने से वेतन नहीं दिया



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। गलता पीठ की सेवा पूजा में लगे पुजारी और कर्मचारी आज धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया कि प्रशासन ने चार महीने से उनका वेतन नहीं दे रहा हैं। कोर्ट की ओर से नियुक्त प्रशासक वेतन मांगने पर झूठे आश्वासन देकर मजाक और अपमान करते हैं। अज्ञात व्यक्तियों की ओर से नकद का लालच देने का भी आरोप लगाया है। पुजारी सत्य नारायण ने मीडिया से कहा कि - गलता पीठ में हम करीब 60 कर्मचारी नियुक्त हैं। हम कई सालों से इस पीठ के विभिन्न मंदिरों में सेवा पूजा करते आए हैं। पिछले कुछ समय से न्यायालय के आदेश के बाद यहां का प्रबंधन जबसे प्रशासन के पास गया है। हमें वेतन नहीं दिया गया। हमें जुलाई, अगस्त, सितम्बर और अक्टूबर 2024 (4 माह) का वेतन प्राप्त नहीं हुआ है। बार-बार नियुक्त प्रशासक से लिखित में प्रार्थना करने पर भी हमारी बात कोई नहीं सुनता। बल्कि यहां नियुक्त सरकारी कर्मचारी हमको झूठे आश्वासन देकर मजाक कर अपमान करते हैं। अज्ञात व्यक्तियों से नकद राशि दिलाकर हमें प्रभावित करना चाहते हैं। पिछले 4 महीने से हमारे परिवार के आवश्यक खर्च भी अनुदान लेकर चला रहे है। चार महीने में रक्षा बन्धन, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, श्राद्ध पक्ष. नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन, भाई दूज इत्यादि त्यौहारों पर हम वेतन के अभाव में परिवार के साथ खुशी से पर्व नहीं मना पाए। पुजारियों ने बताया कि आज से एक महीने पहले भी उपवास करके सरकार तक बात पहुंचायी थी। उच्च अधिकारियों ने भी हमें शीघ्र वेतन देने का आश्वासन दिया था। उस पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

एपीओ हो गए शिक्षक 17, जो बन गए थे चुनावों के लिए खतरा

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. सलूम्बर। 17 शिक्षकों को एपीओ करने का मामला आया है। सलूंबर में आगामी विधानसभा उपचुनाव को लेकर लागू आचार संहिता का उल्लंघन करने और विशेष राजनेतिक पार्टी का प्रचार-प्रसार करने के मामले में 17 सरकारी टीचर्स पर एपीओ की कार्रवाई हुई है। जिला निवार्चन अधिकारी को इन शिक्षकों के खिलाफ विशेष राजनेतिक पार्टी का प्रचार करने संबंधी शिकायत मिली थी। जिसे निर्वाचन विभाग ने आचार सहिता का उल्लंघन मानते हुए इनके खिलाफ एक्शन लिया। सभी शिक्षकों को एपीओ करते हुए मुख्यालय सलूंबर उपखंड कार्यालय किया है। इस मामले में विभाग द्वारा जांच भी शुरू कर दी है। राउमावि थाणा के टीचर हीरालाल कलाल, राउमावि डेकली के ओम सालवी, राउमावि गींगला के देवीलाल भील, राउमावि बरोड़ा के रमेश मीणा, रामावि राठोड़ों का गुड़ा के सुरेश मीणा, राप्रावि रोडदिया फला कडूणी के कैलाश मीणा, राप्रावि बोरदिया फला के रामलाल मेघवाल, राप्रावि वरेला गुडेल के उमाराम मीणा, राउप्रावि दातरडी के डायाराम मीणा, राउप्रावि जेतपुरा गुडेल के वालाराम मीणा, राप्रावि बामण तालाब ओरवाडिया के नरेन्द्र मीणा, राप्रावि कलियावतफला मोरीला के दिनेश कटारा, राउमावि लांबी डूंगरी के लक्ष्मण मीणा, राउप्रावि खानावतफला गावडापाल के जीवतराम मीणा और किशनलाल मीणा, राउमावि बरोड़ा के रमेश कुमार मीणा और राप्रावि लालवत भागल धारोद के टीचर मांगीलाल मीणा पर यह कार्रवाई हुई है।

रेडियंट एकेडमी (कॉमर्स डिवीजन) ने सी.ए. फाउण्डेशन सितम्बर 2024 में श्रेष्ठ परिणाम दिया



24 न्यूज अपडेट

द रेडियंट एकेडमी (कॉमर्स डिवीजन) के हेड सी.ए. अनीष अग्रवाल सर ने बताया की हाल ही में आए सी.ए. फाण्डेषन के रिजल्ट में इंस्ट्रीयूट का रिजल्ट 15 प्रतिषत रहा वहीं रेडिएंट एकेडमी का परिणाम 50 प्रतिषत रहा। रेडिएंट एकेडमी के उल्लेखनीय परिणामों में निम्न विद्यार्थियों का उत्कृष्ट परिणाम रहा - यषस्वी पारेटा (304/400), श्रेयष मोदी (286/400), सोहम कपुर (284/400), अजय पानेरी (261/400), हिमांषी कुण्डलानी (244/400), निर्मल खण्डेलवाल (223/400) कनिष्का जैन (217/400), भव्या मित्तल (214/400) एवं व्याख्या रवलानी जागेटिया (206/400)। चयनित विद्यार्थी, यषस्वी पारेटा, अजय पानेरी, व हिमांषी कुण्डलानी ने बताया की रेडियंट एकेडमी की फेकल्टी, स्टडी मटेरियल एवं टेस्ट सीरिज की वजह से ही यह परिणाम संभव हो पाया है। अन्य चयनित विद्यार्थी कनिष्का जैन, व भव्या मित्तल ने अपनी सफलता का श्रेय फेकल्टी टीम के नोट्स व पर्सनल गाइडेन्स को दिया। इस परिणाम के अवसर पर एमडीएस स्कूल के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सोमानी एवं शिक्षक सी.ए. अनीश अग्रवाल, डॉ. शक्ति सिंह, सी.ए. प्रिया कटारिया, जुबिन जैन, सी.एस श्रेया दवे, मिलन रेही एवं दिव्या जैन ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी व आगामी सी.ए. इंटर परीक्षा की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

बाइक को बचाने की कोशिश में रिंगवॉल से टकराया ट्रक:नेशनल हाईवे-56 पर घाटोल में हुआ हादसा; 3 घंटे तक लगा जाम



24न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. बांसवाड़ा के घाटोल में नेशनल हाईवे 56 पर एक ट्रक पुल की रिंगवॉल से टकरा गया। हादसा एक बाइक को बचाने की कोशिश में हुआ। हादसे के कारण ट्रक का पाइप फट गया। ऐसे में तीन घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहा। हादसा सोमवार शाम 7.30 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार घाटोल में बाइक सवार को बचाने की कोशिश में ट्रक सिद्धि विनायक मंदिर के पास बने पुल की रिंगवॉल से टकरा गया। हादसे के बाद रोड के दोनों ओर जाम लग गया। चालक ने काफी प्रयास किया लेकिन ट्रक स्टार्ट नहीं हुआ।

ट्रक में सामान भरा था। मंदिर के पास 90 डिग्री का एस टर्न व पुल पर रोड संकरा होने से आमने-सामने दो वाहन ही निकल सकते थे। ऐसी स्थिति में पुल पर ट्रक बंद हो जाने से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई।

पुल ट्रक पर बंद होने के थोड़ी देर बाद खमेरा से घायल को लेकर आ रही एंबुलेंस भी आगे नहीं जा सकी। इसे बड़ी पडाल लिंक रोड होते हुए घाटोल अस्पताल निकाला गया। सूचना पर घाटोल थाना पुलिस पहुंची। ग्रामीणों ने ट्रैक्टर से बांधकर और धक्का मारकर ट्रक को रात 10.30 बजे वहां से हटाया।

लोग बोले- हाईवे बना मुसीबत

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक उपेक्षा के कारण घाटोल में बाइपास नहीं बन पा रहा है। कस्बे से होकर गुजर रहा हाईवे लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। घाटोल में पुल के पास विकट मोड़ है, जहां आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

इस मोड़ पर पिछले पांच साल में कई दुर्घटनाएं हुई, जिसमें कई लोगों ने जान गंवाई है। संकरा पुल पर कई बार ट्रैफिक जाम की समस्या भी होती है। घाटोल बाइपास का काम अटका पड़ा है। यहां के जनप्रतिनिधि भी इस समस्या का समाधान करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे, जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

एमडीएस की विदुषी खुर्दिया का आईआईटी रुड़की के प्रतिष्ठित गैम्बिटर वर्कशॉप के लिए चयन



24 न्यूज अपडेट

एमडीएस सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, उदयपुर के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि कक्षा 9 की प्रतिभाशाली छात्रा विदुषी खुर्दिया का चयन प्रतिष्ठित गैम्बिटर वर्कशॉप में भाग लेने के लिए किया गया है, जो आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित की जाती है। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में देशभर के कुछ सबसे उज्ज्वल युवा दिमागों की भागीदारी होती है, और केवल 15 छात्रों का चयन इस तीन दिवसीय विशेष वर्कशॉप के लिए किया गया है।

विदुषी, जो शैक्षणिक रूप से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और जिनकी तार्किक सोच और समस्या-समाधान में गहरी रुचि है, अब इस राष्ट्रीय मंच पर अपने शहर का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। गैम्बिटर वर्कशॉप, जो भारत के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक द्वारा आयोजित की जाती है, छात्रों में विश्लेषणात्मक और रचनात्मक सोच कौशल को निखारने पर केंद्रित है। इस दौरान प्रतिभागियों को तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा आयोजित विभिन्न सत्रों में भाग लेने का मौका मिलेगा, जिससे उन्हें विज्ञान और इंजीनियरिंग की दुनिया में एक महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त होगा। यह अवसर विदुषी की शैक्षिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है, जो भविष्य में तकनीकी और शोध क्षेत्र में उनके लिए नए अवसरों के द्वार खोल सकता है। यह तीन दिवसीय वर्कशॉप आईआईटी रुड़की के परिसर में आयोजित होगी और विदुषी को भारत के प्रमुख संस्थानों में से एक के जीवंत शैक्षणिक वातावरण का अनुभव प्रदान करेगी। एमडीएस के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सोमानी ने विदुषी को इस शानदार अवसर के लिए दिल से शुभकामनाएं दी हैं, और इस नए सफर के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कार पर पथराव करने वाले 6 बदमाश गिरफ्तार:शराब के लिए रुपए नहीं देने पर की थी वारदात, पीठ जोरा रोड पर हुई थी घटना



24न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. धम्बोला थाना पुलिस ने दिवाली की रात जोरावरपुरा-पीठ मार्ग पर जीप पर पथराव करने और शराब पीने के लिए रुपए मांगने वाले 6 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सभी बदमाशों से पूछताछ कर रही रही है। धम्बोला थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने बताया कि 2 नवंबर को ओबरी निवासी मोहम्मद इस्माइल पुत्र हनिफ लखारा ने मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि दिवाली की रात को वह घर लौट रहा था। उसी समय जोरावरपुरा-पीठ मार्ग पर कुछ युवकों ने जीप पर पथराव कर दिया। बदमाशों ने जीप को रोक कर शराब पीने रुपए मांगे। जीप ड्राइवर जैसे तैसे वहां से निकला और बाद में धम्बोला थाना पुलिस को रिपोर्ट दी। पीड़ित की रिपोर्ट पर धंबोला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पीठ निवासी राजा पुत्र नरेश होरगी, हेमंत पुत्र हुका उम्मड, मगन पुत्र ओंकार खांट, महेश पुत्र रमेश ताबियाड, गुंदलारा थाना कुंआ निवासी अनिल पुत्र दलपत गोदा ओर राकेश पुत्र लाला गोदा को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने शराब के लिए रुपए मांगने और पत्थरबाजी करने की वारदात करना कबूल किया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सेल्फी के चक्कर में जान गंवा बैठे दो दोस्त, डूबने से मौत, टेबल टेनिस की प्रैक्टिस के बाद घूमने निकले थे



रुद्र प्रताप | श्लोक

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. भीलवाड़ा। सेल्फी का शौक न जाने कितने लोगों की जान लेगा। रोज हादसे हो रहे हैं लेकिन लोग जागरूक नहीं हो रहे हैं और सबक नहीं ले रहे हैं। इसके साथ ही खतरनाक खदानों पर भी चेतावनी बोर्ड नहीं लगाने से ऐसे हादसे हो रहे हैं जिसकी सीधी जिम्मेदारी प्रशासन की है। लेकिन वहीं बात है कि कौन जिम्मा उठाए, कौन जागरूकता अभियान चलाए। इसमें लाभ का गणित भी नहीं है। बहरहाल, सेल्फी लेने के लिए खदान में भरे पानी के पास पहुंचे दो दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। दोनों बच्चे टेबल टेनिस की प्रैक्टिस के लिए स्कूल गए। वहां से घूमने निकले। खदान दिखाई दी, सेल्फी लेने पास गए और डूब गए। दोनों को जनवरी में नेशनल टूर्नामेंट खेलना था। शाहपुरा के कोतवाली इलाके में यह घटना सोमवार दोपहर ढाई बजे घटी। एडिशनल एसपी राजेंद्र आर्य ने मीडिया को बताया कि हादसे में श्लोक जागेटिया (14) और रुद्र प्रताप सिंह (14) की मौत हो गई। तीसरा साथी फहीम खान था। जिसने दोनों के डूबने की जानकारी लोगों को दी। दोपहर 2:30 बजे तीनों बच्चे आरटीओ के पास खदानों में गए। गड्ढों में पानी भरा हुआ था। आस पास अच्छा दृश्य देख कर सेल्फी लेने की सोची। पानी के पास चले गए रुद्र और श्लोक और पलक झपकते ही डूब गए। फहीम ने शोर मचाया मगर कोई नहीं आया। उसने आरटीओ ऑफिस के बाहर लोगों को घटना के बारे में बताया। लोगों ने बच्चों को बाहर निकाला मगर तब तक देर हो चुकी थी। शाहपुरा जिला अस्पताल ले गए जहां पर मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही दोनों घरों में कोहराम मच गया। श्लोक के पिता उमेश जागेटिया मौके पर पहुंचे व बार बार बेटे को भीलवाड़ा ले जाकर बेस्ट ट्रीटमेंट कराने की बात करने लगे। तब डॉक्टरों ने पिता को समझाया कि उनके बेटे की मौत हो चुकी है। कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत और एडिशनल एसपी राजेंद्र आर्य मौके पर पहुंचे व उन्होंने भी पिता को समझाया। श्लोक को उसके पिता प्रैक्टिस के लिए जयपुर भेजने वाले थे। श्लोक के पिता उमेश जागेटिया राजकीय मॉडल स्कूल में लेक्चरर हैं। रुद्र परिवार के इकलौते बेटे थे। दोनों की एक-एक बड़ी बहन है। रुद्र के पिता धर्मेंद्र सिंह सोढा भी सरकारी टीचर है। स्कूल के प्रिंसिपल ईश्वर सिंह ने कहा कि रुद्र और श्लोक 8वीं तक मॉडल स्कूल में साथ पढ़े। इसके बाद 9वीं में रुद्र निजी स्कूल में पढ़ने चला गया। टेबल टेनिस के दोनों ही बहुत ही अच्छे खिलाड़ी थे और प्रैक्टिस के लिए मॉडल स्कूल जाते थे। पिछले दिनों ही दोनों ने शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर टेबल टेनिस के लिए अर्हता हासिल की।

डेंगू से 3 साल की बच्ची की मौत:एक दिन पहले ही अस्पताल में कराया था भर्ती, शव लेने नहीं आया पिता



24न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. डूंगरपुर में डेंगू से तीन साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की तीन दिन पहले तबीयत बिगड़ी थी। जिला अस्पताल के आईसीयू वार्ड में इलाज के दौरान मंगलवार सुबह 6 बजे उसकी मौत हो गई। डूंगरपुर जिले में डेंगू से यह तीसरी मौत है। इससे पहले 12 साल के बच्चे और एक सरकारी कर्मचारी की डेंगू से मौत हो चुकी है। तीजवड़ गांव निवासी बच्ची की मां इंदिरा ने बताया कि मेरी बेटी यवाक्षी तीन दिन पहले बीमार हुई थी। उसे बुखार की शिकायत थी। निजी लैब में जांच करवाई, जिसमें वह डेंगू पॉजिटिव आई। सोमवार शाम को यवाक्षी को जिला अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती करवाया था। बच्ची की मौत पर नहीं आया पिता बच्ची की मौत के बाद उसकी मां का रो-रो कर बुरा हाल है। बच्ची के पिता ने दूसरी शादी कर ली है। वह दूसरी पत्नी के साथ रहता है। बच्ची की मौत की सूचना के बाद भी उसका पिता नहीं आया। इसके चलते शव जिला अस्पताल में ही है।

डूंगरपुर में 113 केस आए

सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता ने बताया कि अभी तक डेंगू से मौत को लेकर उनके पास कोई रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद सर्वे और अन्य गतिविधियां की जाएंगी। जिले में अब तक डेंगू पॉजिटिव के 113 केस सामने आ चुके हैं। बच्ची से पहले डूंगरपुर में डेंगू से दो मौत और हो चुकी हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।